तुझे क्यों समझ न आए

दुःख सुख दोनों तन के कपडे किस कारन पहनाए
किस कारन पहनाए
तुझे क्यों समझ न आए, तुझे क्यों समझ न आए
वो चाहे तो प्यासा मारे, चाहे तो प्यास बुझाए
तुझे क्यों समझ न आए, तुझे क्यों समझ न आए

तेरे मन की खातिर पगले तन का बिछा बिछौना
जब तक चाबी भरी प्रभु ने तब तक चले खिलौना
ऐसा नाचे मॉस की पुतली, जैसा नाच नचाए
तुझे क्यों समझ न आए, तुझे क्यों समझ न आए

जल बिन मछली जी नहीं सकती, माँ बिन जिए ना बच्चा
इन्दर उसका पानी भरता जिसका सिदक है सच्चा
वो चाहे तो गागर में भी सागर को छलकाए
तुझे क्यों समझ न आए, तुझे क्यों समझ न आए

बेसमझो को समझ नहीं कब आये कैसी घड़िया
जेठ महीने में लग सकती है सावन की झड़िया
कौन समय आकाश और धरती अपना ब्याह रचए
तुझे क्यों समझ न आए, तुझे क्यों समझ न आए

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1280/title/tujhe-kyun-samajh-na-aaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |